कक्षा – नवीं

विषय – हिन्दी (ब)

खण्ड 'क'

प्रश्न 1. (*i*) अपठित गद्यांश **अंक 5.**

'साँच बराबर तप नहीं' सूक्ति में सत्य की महत्ता को स्वीकारा गया है। सच के मार्ग पर चलना अपने आप में तप है। तप का अर्थ है 'तपना' । सच का मार्ग सदैव कंटीला होता है, कठिन होता है। तप करने की ताकत रखने वाला ही इस पर चल सकता है। तप वही कर सकता है जिसका हृदय साफ, निष्पाप व एकाग्रचित हो। 'सत्य' मानव हृदय के गौरव का प्रतीक है। सच बोलने वाले के मुख पर एक अलग तरह का तेज रहता है, सोच रहता है। ऐसा व्यक्ति निडर होता है व लोगों के दिल में जगह बनाता है। अप्रिय सत्य मनुष्य को कभी नहीं बोलना चाहिए। सत्य असत्य की परिभाषा अपने आप में कुछ नहीं, परंतु दूसरों की भलाई, कल्याण के लिए बोला गया बड़े-से बड़ा झूठ भी सत्य है और वास्तविक सत्य जो दूसरों को कठिनाई में डाल दे, बोला जाए तो वह झूठ की परिधि में आता है। सत्य का पालन करने के लिए सत्यवादी हरिशचंद्र अपने पूरे जीवन को तपस्वी की तरह जीने पर मजबूर हुए। तप और सत्य मिलकर मानव जीवन को विकास की राह पर अग्रसर करते हैं। सत्य की प्राप्ति ही कठोरतम तप है यह संसार का वह सर्वोत्तम धर्म है जिसके बिना जीवन सारहीन हो जाता है। सत्य अटल है। लाख झूठ भी उसके समक्ष टिक नहीं सकते । झूठ बुलबुले की भाँति है जिसका अस्तित्व क्षणिक है। सच स्थायी है, चिरंतर है। एक सच को छुपाने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं और अंत में सौ झूठों का आवरण भेद कर सत्य बाहर निकल ही आता है। सत्य से व्यक्ति जितना मुँह मोड़ता है वह उतना पल-पल में सामने आता है। कठिन अवश्य है तप का मार्ग, सत्य का मार्ग, परंतु कल्याणकारी है।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के सही विकल्पों को चुन कर लिखें

(क) 'सच' का मार्ग कैसा होता है। **(1)**

(*i*) कंटीला और कमजोर

(*ii*) काँटों से भरा एवं सरल

(*iii*) कंटीला और आसान

(*iv*) काँटों से भरा एवं कठिन

(ख) तप कैसा व्यक्ति कर सकता है ? **(1)**

(*i*) जिसका दिमाग एकाग्रचित, कुशाग्र एवं निष्पाप हो।

(*ii*) जिसका हृदय निष्पाप, एकाग्रचित एवं साफ हो।

(*iii*) जिसका हृदय संयमी, सत्यवादी एवं निष्पाप हो।

(*iv*) जिसका दिमाग तीव्र, कुशाग्र एवं एकाग्रचित हो।

(ग) सच बोलने वाले की क्या पहचान हैं? **(1)**

(*i*) निडर, साहसी एवं परोपकारी

(*ii*) निडर, परोपकारी एवं पक्षपात करने वाला

(*iii*) पक्षपात न करने वाला, साहसी एवं कुशल वक्ता ।

(*iv*) निडर , सबका प्रिय एवं मुख पर विशेष तेज

(घ) मानव जीवन के विकास की राह को आगे बढ़ाते है। **(1)**

(*i*) स्वास्थ्य और तप

(*ii*) सत्य और तप

(*iii*) तप और संयम

(*iv*) संयम और सत्य

(ङ) 'सच' और 'झूठ' में क्या अंतर है ? **(1)**

(*i*) झूठ एक बार बोलना पड़ता है और सच सौ बार।

(*ii*) सच बुलबुले की तरह क्षणिक है और झूठ चिरंतर व स्थायी है।

(*iii*) झूठ बुलबुले की तरह क्षणिक हैं और सच चिरंतर व स्थायी है।

(*iv*) सच बोलने में खतरा अधिक होने पर झूठ बोलना सत्य की कहलाता है।

प्रश्न 2. अपठित गद्यांश **अंक 5.**

एक बार स्वामी विवेकानंद का एक शिष्य उनके पास आया और उसने कहा, 'स्वामी जी, मैं आप की तरह भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का प्रचार प्रसार करने के लिए अमेरिका जाना चाहता हूं। यह मेरी पहली यात्रा है। आप मुझे विदेश जाने की अनुमति और अपना आशीर्वाद दें ताकि मैं अपने मकसद में सफल होऊँ । 'स्वामी जी ने उसे ऊपर से नीचे तक देखा फिर कहा, 'सोच कर बताऊँगा। 'शिष्य हैरत में पड़ गया। उसने विवेकानंद जी से इस उत्तर की कल्पना भी नहीं की थी। उसने फिर कहा, स्वामी

जी, मैं आप की तरह सादगी से अपने देश की संस्कृति का प्रचार करूँगा। मेरा ध्यान और किसी चीज पर नहीं जाएगा।' विवेकानंद ने फिर कहा, 'सोच कर बताऊँगा।' शिष्य ने समझ लिया कि स्वामी जी उसे विदेश नहीं भेजना चाहते इसलिए ऐसा कह रहे हैं। वह उनके पास ही रुक गया। दो दिनों के बाद स्वामी जी ने उसे बुलाया और कहा, 'तुम अमेरिका जाना चाहते हो तो जाओ। मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ है।' शिष्य ने सोचा कि स्वामी जी ने इतनी छोटी सी बात के लिए दो दिन सोचने में क्यों लगाया। उसने अपनी यह दुविधा स्वामी जी को बताई । स्वामी जी ने कहा, 'मैं दो दिनों में यह समझना चाहता था कि तुम्हारे अंदर कितनी सहनशक्ति है। कहीं तुम्हारा आत्मविश्वास डगमगा तो नहीं रहा है। लेकिन तुम दो दिनों तक यहाँ रह कर निर्विकार भाव से मेरे आदेश की प्रतीक्षाा करते रहे। न क्रोध किया, न जल्दबाजी की और नहीं धैर्य खोया। जिसमें इतनी सहनशक्ति और गुरु के प्रति प्रेम का भाव होगा, वह शिष्य कभी भटकेगा नहीं। मेरे अधूरे काम को वही आगे बढ़ा सकता है। किसी दूसरे देश के नागरिक के मन में अपने देश की संस्कृति को अंदर तक पहुँचाने के लिए ज्ञान के साथ-साथ, धैर्य, विवेक और संयम की आवश्यकता होती है। मैं इसी बात की परीक्षा ले रहा था। 'शिष्य स्वामी जी की इस अनोखी परीक्षा से अभिभूत हो गया।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों को चुनकर लिखिए–

(*i*) स्वामी जी के शिष्य का अमेरिका जाने का उद्देश्य था– **(1)**

(क) अमेरिका की संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करना

(ख) भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म का प्रचार करना

(ग) भारतीय धर्मों का प्रचार प्रसार करना

(घ) भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का प्रचार करना

(*ii*) विवेकानंद जी ने शिष्य को अमेरिका जाने की अनुमति नहीं दी क्योंकि– **(1)**

(क) शिष्य को भारतीय रीति-रिवाजों का ज्ञान नहीं था

(ख) शिष्य के धैर्य, विवेक और संयम की परीक्षा लेना चाहते थे

(ग) शिष्य को ज्ञान देना चाहते थे

(घ) शिष्य के पास पर्याप्त धन नहीं था

(*iii*) विवेकानंद जी के उत्तर न देने पर शिष्य की प्रतिक्रिया थी– **(1)**

(क) क्रोध से भर गया

(ख) निर्विकार भाव से प्रतीक्ष करता रहा

(ग) स्वामी जी से विनती करने लगा

(घ) धैर्य खोकर विचलित हो गया

(*iv*) शिष्य स्वामी जी के पास क्यों गया था– (1)

(क) अमेरिका जाने की अनुमति माँगने

(ख) ज्ञान-प्राप्त करने

(ग) स्वामी की जी सेवा करने

(घ) स्वामी जी का आशीर्वाद प्राप्त करने

(*v*) गद्यांश का उचित शीर्षक होगा– (1)

(क) स्वाभिमान की रक्षा

(ख) धैर्य-परीक्षा

(ग) अनोखी परीक्षा

(घ) पहली परीक्षा

प्रश्न 3. अपठित काव्यांश–1 अंक 5.

जिस पर गिरकर उदर-दरी से तुमने जन्म लिया है।

जिसका खाकर अन्न, सुधा-सम नीर,समीर पिया।

वह स्नेह की मूर्ति दयामयि माता तुल्य मही है।

उसके प्रति कर्त्तव्य तुम्हारा क्या कुछ शेष नहीं है ?।।

केवल अपने लिए सोचते, मौज भरे गाते हो।

पीते, खाते, सोते, जगते, हँसते, सुख पाते हो।

जग से दूर, स्वार्थ-साधन ही सतत तुम्हारा यश है।

सोचो, तुम्हीं, कौन अग-जग में तुम सा स्वार्थ विवश है ?

पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला-पोसा।

किए हुए हैं वह निज-हित का तुमसे बड़ा भरोसा।

उससे होना उऋण प्रथम है सत्कर्त्तव्य तुम्हारा।

फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प छाँटकर लिखिए–

(क) मातृभूमि से मनुष्य क्या-क्या प्राप्त करता है ?– 1

(*i*) अन्न, जल, फल

(*ii*) अन्न, फल, फूल

(*iii*) अन्न, जल, वायु

(*iv*) फल, फूल, जल

(ख) प्रस्तुत पंक्तियों में धरती की तुलना किससे की गई है ?– 1

(*i*) ईश्वर से

(*ii*) पिता से

(*iii*) माता से

(*iv*) विश्व से

(ग) उपरोक्त काव्यांश में मनुष्य की किस प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला गया है – 1

(*i*) देश व देशवासियों के प्रति सेवाभाव

(*ii*) स्वार्थी और आत्मकेंद्रित

(*iii*) निःस्वार्थ और उदार

(*iv*) विश्व बंधुता

(घ) कवि के अनुसार मनुष्य का प्रथम कर्त्तव्य क्या होना चाहिए ? – 1

(*i*) माता-पिता के ऋण से उऋण होना

(*ii*) देश व जाति के ऋण से उऋण होना

(*iii*) शिक्षकों के ऋण से उऋण होना

(*iv*) भाई-बहनों के ऋण से उऋण होना

(ङ) उपरोक्त काव्यांश का मुख्य संदेश है– 1

(*i*) सेवा भाव

(*ii*) परोपकार

(*iii*) दयालुता

(*iv*) देशभक्ति

प्रश्न 4. **अपठित काव्यांश – 2** **अंक 5.**

फूटा प्रभात, फूटा विहान

वह चले रश्मि के प्राण, विहग के मधुरगान, मधुर निर्झर के स्वर

झर-झर, झर-झर ।

प्राची का अरूनाभ क्षितिज,

मानों अंबर की सरसी में,

फूला कोई रक्तिम गुलाब, रक्तिम सरसिज

धीरे–धीरे,

लो, फैल चली आलोक रेख

धुल गया तिमिर, बह गई निशा;

चहुँ ओर देख,

धुल रही विभा, विमलाभ कांति ।

अब दिशा – दिशा

सस्मित,

विस्मित,

खुल गए द्वार, हँस रही उषा ।

खुल गए द्वार, दृग खुले कंठ

खुल गए मुकुल

शतदल के शीतल कोषों से निकला मधुकर गुंजार लिए

खुल गए बंध, छवि के बंधन

जागो जगती के सुप्त बाल ।

पलकों की पंखुरियाँ खोलो, खोलो मधुकर के अलस बंध दूग भर

समेट तो लो यह श्री, यह कांति

वही आती दिगंत से यह छवि की सरिता अमंद

झर-झर, झर-झर ।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँट कर लिखिए–

(क) सूर्योदय होते ही पूर्व दिशा में – 1

(*i*) क्षितिज का रंग सुनहरा हो जाता है

(*ii*) क्षितिज का रंग लाल हो जाता है

(*iii*) क्षितिज का रंग श्वेत हो जाता है

(*iv*) क्षितिज का रंग श्याम हो जाता है

(ख) प्रातः काल होते ही भँवरे पर क्या प्रभाव पड़ता है ? 1

(*i*) पौधों पर जा बैठते हैं

(*ii*) पराग इकट्ठा करने इधर-उधर मंडराते हैं

(*iii*) कमल से बाहर निकल गुंजार करने लगते हैं

(*iv*) कमल में ही कैद रहते हैं।

(ग) धरती पर सोने वाले बच्चों से जागने के लिए क्यों कहा गया है ? 1

(*i*) विद्यालय जाने का समय हो जाने के कारण

(*ii*) बहुत देर तक सोते रहने के कारण

(*iii*) प्रात: कालीन प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने के लिए

(*iv*) उठकर नित्य कर्म आरंभ करने के लिए

(घ) प्रस्तुत कविता का मुख्य भाव है – 1

(*i*) संध्याकालीन सौंदर्य का चित्रण

(*ii*) दोपहर का चित्रण

(*iii*) रात्रि कालीन सौंदर्य का चित्रण

(*iv*) प्रात:कालीन सौंदर्य का चित्रण

(ङ) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक है ?– 1

(*i*) प्रकृति वे विविध रंग

(*ii*) प्रकृति के संग

(*iii*) फूटा प्रभात

(*iv*) संध्या

खण्ड 'ख'

प्रश्न 5. (*i*) 'कलाभिज्ञ' शब्द का वर्ण–विच्छेद है:– (1)

(क) क् + अ + ल् + भ् + इ + ज् + ञ + अ

(ख) क् + आ + ल् + अ + भ् + इ + ज् + अ

(ग) क् + आ + ल् + आ + भ् + इ + ज् + ञ + अ

(घ) क् + अ + ल् + आ + भ् + इ + ज् + ञ + अ

(*ii*) 'सर्वोच्च' शब्द का वर्ण–विच्छेद है:– (1)

(क) स् + अ + व् + ओ + र् + च् + च् + अ

(ख) स् + अ + र् + अ + व् + ऐ + च् + च् + अ

(ग) स् + अ + र् + व + ऊ + च् + च् + अ

(घ) स् + अ + र् + व् + ओ + च् + च् + अ

(*iii*) 'उन्नत' शब्द में उपसर्ग है:– **(1)**

(क) अन

(ख) उत्

(ग) उन्

(घ) उत

(*iv*) 'भौतिकी' शब्द में प्रत्यय है:– **(1)**

(क) इ

(ख) ई

(ग) की

(घ) इकी

प्रश्न 6. **(*i*) 'पक्षी' शब्द का पर्यायवाची है –** **1**

(क) नभ

(ख) विहग

(ग) अज

(घ) घोटक

(*ii*) 'वर्ष' शब्द का पर्यायवाची नहीं है – **1**

(क) शब्द

(ख) अब्द

(ग) बरस

(घ) साल

(*iii*) 'तेजस्वी' शब्द का विलोम रूप है – 1

(क) सुंदर

(ख) कांतियुक्त

(ग) तेजहीन

(घ) गतिहीन

(*iv*) 'संक्षिप्त' का सही विलोम शब्द छाँटकर लिखिए– 1

(क) विक्षिप्त

(ख) विस्तृत

(ग) लघु

(घ) क्षणिक

(*v*) 'अमृत' शब्द के सही अनेकार्यी रूप है– 1

(क) नीर, सिंधु

(ख) अन्न, जल

(ग) जल, अमर

(घ) वारि, नीर

(*vi*) 'धारणा' शब्द का अनेकार्यी शब्द नहीं है– 1

(क) ज्ञान

(ख) विचार

(ग) बुद्धि

(घ) समझ

(*vii*) 'जो ईश्वर पर विश्वास करे' के लिए एक शब्द है– 1

(क) सदाचारी

(ख) भगवान

(ग) आस्तिक

(घ) ईश्वरीय

(*viii*) 'मनोहारी' शब्द के लिए उपयुक्त वाक्यांश है– 1

(क) मन को हराने वाला

(ख) मन का मानने वाला

(ग) हार मानने वाला

(घ) मन को हरने वाला

प्रश्न 7. (*i*) 'सत्यवादी गाँधी जी इतिहास में सदैव उल्लेखनीय रहेंगे'। वाक्य में उद्देश्य छाँटिए 1

(क) सत्यवादी गाँधी

(ख) सत्यवादी

(ग) सत्यवादी गाँधी जी

(घ) सत्यवादी गाँधी जी इतिहास में

(*ii*) 'सुरेश की बहन सुनीता ने परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए'–वाक्य में विधेय छाँटिए– 1

(क) प्राप्त किए

(ख) सर्वाधिक अंक प्राप्त किए

(ग) अंक प्राप्त किए

(घ) परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए

(*iii*) मजदूरों ने कार्य समाप्त किया। मज़दूर घर चले गए। वाक्यों का उपयुक्त सरल वाक्य है:– 1

(क) जैसे ही काम समाप्त हुआ मज़दूर घर चले गए।

(ख) जब मज़दूरों ने काम समाप्त किया तब वे घर चले गए।

(ग) मज़दूर कार्य समाप्त करके घर चले गए।

(घ) मज़दूरों ने कार्य समाप्त किया और घर चले गए।

(*iv*) निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य छाँटकर लिखिए:– 1

(क) सत्य बोलो और प्रगति प्राप्त करो।

(ख) सत्य बोलने वाले की सदा विजय होती है।

(ग) जो सत्य बोलते हैं उनकी सदा जय होती है।

(घ) कभी असत्य मत बोलो क्योंकि सत्य बोलना श्रेष्ठ है।

प्रश्न 8. (*i*) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में उचित विराम चिह्न प्रयुक्त किए गए है:– 1

(क) अध्यापक ने कक्षा में 'अपना घर' लघुकथा पढ़ाई ।

(ख) अध्यापक ने कक्षा में 'अपना घर' लघुकथा पढ़ाई ।

(ग) अध्यापक ने कक्षा में अपना घर लघुकथा पढ़ाई ।

(घ) अध्यापक ने, कक्षा में आकर अपना घर लघुकथा पढ़ाई ।

(*ii*) ':–' विराम चिह्न का नाम है। 1

(क) त्रुतिपूरक चिह्न

(ख) लाघव चिह्न

(ग) विवरण चिह्न

(घ) उद्धहरण चिह्न

प्रश्न 9. (*i*) 'जुट जाना' मुहावरे का अर्थ है :– 1

(क) जुड़ जाना

(ख) मिल जाना

(ग) किसी काम में मुस्तैदी से लगना

(घ) किसी काम को दूसरे काम से जोड़ देना

(*ii*) सपेरे साँप को ---------- अच्छी तरह जानते हैं। वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए। 1

(क) मौत के घाट उतारना

(ख) वश में करना।

(ग) कफ़न बाँधना

(घ) आँखों में बसाना

खण्ड–'ग'

प्रश्न 10. काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए– अंक 5

क्रमशः कंठ क्षीण हो आया,

शिथिल हुए अवयव सारे,

बैठा था नव-नव उपाय की

चिंता में मैं मनमारे ।

जान सका न प्रभात सजग से

हुर्र अलस कब दोपहरी,

स्वर्ण - घनों में कब रवि डूबा,

कब आई संध्या गहरी ।

(*i*) कंठ क्षीण क्यों हो गया था ? (1)

(क) खाँसी के कारण

(ख) लगातार बोलने के कारण

(ग) अधिक रोने व दुख के कारण

(घ) बुखार के कारण

(*ii*) सुखिया के पिता को समय का भान क्यों नहीं रहा ? **(1)**

(क) काम में व्यस्त होने के कारण

(ख) अधिक समय तक रोते रहने के कारण

(ग) घर से बाहर न निकलने के कारण

(घ) बेटी की चिंता में सोचते रहने के कारण

(*iii*) पिता मनमारे बैठा था क्योंकि – **(1)**

(क) उपचार के लिए धन का अभाव था

(ख) काम पर नहीं जा सका था

(ग) बेटी की इच्छापूर्ति न कर पाया था

(घ) दिनभर भूखा रहा था

(*iv*) 'प्रभात सजग से हुई कब अलस दोपहरी' पंक्ति का आशय है– **(1)**

(क) अधिक चिंतित होने के कारण समय का ध्यान न रहना

(ख) दोपहर में आलस का अनुभव होना

(ग) सूर्य न निकलना

(घ) काम में व्यस्त होना

(*v*) बादलों का रंग सुनहरी हो जाता है– **(1)**

(क) बादलों का रंग सुनहरी ही होता है

(ख) सूर्य का रंग सुनहरी होने के कारण

(ग) आँधी के कारण

(घ) सड़कों पर से उठे धुएँ के कारण

अथवा

यहाँ रोज़ कुछ बन रहा है

रोज़ कुछ घट रहा है

यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं

एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है दुनिया

जैसे बसंत का गया पतझड़ को लौटा हूँ

जैसे बैसाख का गया भादों को लौटा हूँ,

अब यही उपाय है कि हर दरवाजा खटखटाओं

और पूछों –क्या यही है वो घर ?

(क) अब किस पर भरोसा नहीं किया जा सकता– (1)

(*i*) अब पुराने रास्तों पर भरोसा नहीं किया जा सकता

(*ii*) अब नए रास्तों पर भरोसा नहीं किया जा सकता

(*iii*) अब पुरानी यादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता

(*iv*) अब नई यादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता

(ख) 'जैसे वंसत का गया पतझड़ को लौटा हूँ' से कवि का क्या आशय है ? (1)

(*i*) खुशी का गम में बदल जाना

(*ii*) गम का खुशी में बदल जाना

(*iii*) ऋतु परिवर्तन

(*iv*) समय की परिवर्तनशीलता

(ग) दुनिया एक दिन में ही क्यों पुरानी पड़ जाती है ? (1)

(*i*) क्योंकि जो बीत गया सो बात गई

(*ii*) क्योंकि नित्य नए परिवर्तन हो रहे हैं

(*iii*) क्योंकि बीता दिन फिर लौट कर नहीं आता

(*iv*) क्योंकि बीता दिन पुराना हो जाता है।

(घ) हर दरवाजे पर जाकर कवि ने क्या पूछा ? **(1)**

(*i*) क्या वह उसी शहर में है ?

(*ii*) क्या यह भादों का मौसम है ?

(*iii*) क्या यह वही मकान है ?

(*iv*) क्या वह उसे पहचानते हैं ?

(ङ) 'समय बहुत कम है तुम्हारे पास' कहकर कवि क्या समझाना चाहता है ? **(1)**

(*i*) जीवन अवधि बहुत कम है और काम बहुत

(*ii*) कम समय में बहुत काम निपटाना है।

(*iii*) बनते बिगड़ते स्वरूप के बीच समय की गति बदलती जा रही है ।

(*iv*) बनते–बिगड़ते स्वरूप के बीच जीवन तीव्र गति से बहता चला जा रहा है।

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में लिखिए– **2X2.5 = 5**

क. शुक्रतारे की उपमा किससे एवं क्यों की गई है ?

ख. लेखक ने ऐसा क्यों कहा है कि ''धर्म की मार से ज़्यादा बुद्धि की मार बुरी है'' ?

ग. मनुष्य कीचड़ का तिरस्कार कब न करता ?

घ. लेखक ने अतिथि का स्वागत किस प्रकार किया ?

प्रश्न 12. ''आप वासुदेव की पूजा करते हैं इसलिए वासुदेव को नहीं पूजते, हीरे का भारी मूल्य देते हैं किंतु कोयले या पत्थर का नहीं देते और मोती को कंठ में बाँधकर फिरते हैं किंतु उसकी मातुश्री को गले में नहीं बाँधते ।''– आशय स्पष्ट कीजिए । **(5)**

अथवा

''अंदर-ही-अंदर कहीं मेरा बटुआ काँप गया''–पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए

प्रश्न 13. समुद्र की नील-वर्णीय आभा को भी असंख्य लोग आदिकाल से देखते आ रहे थे, मगर

इस आभा पर पड़े रहस्य के परदे को हटाने के लिए हमारे समझ उपस्थित हुए सर चंद्रशेखर वेंकट रामन् । बात सन् 1921 की है, जब रामन् समुद्री यात्रा पर थे । जहाज के डेक पर खड़े होकर नीले समुद्र को निहारना, प्रकृति प्रेमी रामन् को अच्छा लगता था । वे समुद्र की नीली आभा में घंटों खोए रहते । लेकिन रामन् केवल भावुक प्रकृति प्रेमी ही नहीं थे । उनके अंदर एक वैज्ञानिक की जिज्ञासा भी उतनी ही सशक्त थी । यही जिज्ञासा उनसे सवाल कर बैठी, 'आखिर समुद्र का रंग नीला ही क्यों होता है ? कुछ और क्यों नहीं ? रामन् सवाल का जवाब ढूँढने में लग गए। जवाब ढूँढते ही वे विश्वविख्यात बन गए ।

(क) चन्द्रशेखर वेंकट रामन् ने किस रहस्य से पर्दा उठाया ? 1

(ख) रामन् को क्या अच्छा लगता था ? 1

(ग) उनकी जिज्ञासा क्या थी ? 1

(घ) वे विश्व विख्यात क्यों हो गए ? 2

अथवा

अजाँ देने, शंख बजाने, नाक दाबने और नमाज़ पढ़ने का नाम धर्म नहीं है । शुद्धाचरण और सदाचार ही धर्म के स्पष्ट चिह्न हैं । दो घंटे तक बैठकर पूजा कीजिए और पंचवक्ता नमाज़ भी अदा कीजिए, परंतु ईश्वर को इस प्रकार रिश्वत को दे चुकने के पश्चात् यदि आप अपने को दिनभर बेईमानी करने और दूसरों को तकलीफ पहुँचाने के लिए आज़ाद समझते हैं तो, इस धर्म को, अब आगे आने वाला समय कदापि नहीं टिकने देगा । अब तो, आपका पूजा-पाठ न देखा जाएगा, आपकी भलमनसाहत की कसौटी केवल आपका आचरण होगी । सबसे कल्याण की दृष्टि से , आपको अपने आचरण को सुधारना पड़ेगा और यदि आप अपने आचरण को नहीं सुधारेंगे तो नमाज़ और रोज़े, पूजा और गायत्री आपको देश के अन्य लोगों की आज़ादी को रौंदने और देश भर में उत्पातों का कीचड़ उछालने के लिए आजाद न छोड़ सकेगी ।

(क) धर्म क्या है ? **1**

(ख) किस धर्म को भविष्य में नहीं टिकने दिया जाएगा ? **1**

(ग) भलमनसाहत की कसौटी क्या होगी ? **1**

(घ) सबके कल्याण के लिए क्या करना होगा ? **2**

प्रश्न 14. (क) जब शुक गाता है तो शुकी के हृदय पर क्या प्रभाव पड़ता है ? **1**

(ख) 'अश्रु–स्वेद–रक्त' से कवि का क्या अभिप्राय है ? **2**

(ग) 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता का केंद्रीय भाव लिखिए । 2

प्रश्न 15. महीसागर नदी के दोनों किनारों पर कैसा दृश्य उपस्थित था ? 3

अथवा

हामिद खाँ ने लेखक से पैसे लेकर वापिस क्यों कर दिए ?

प्रश्न 16. किताबों वाले कमरों में रहने के पीछे लेखक की क्या भावना थी ? 2

खण्ड 'घ'

प्रश्न 17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में कोई एक अनुच्छेद लिखिए : अंक 5

(क) आत्महत्या करने पर मजबूर किसान

- भारत का अन्नदाता आत्महत्या करने पर मज़बूर
- बढ़ती जनसंख्या और सिमटती खेती योग्य भूमि
- प्राकृतिक आपदाएँ एवं कर्ज़ का बोझ
- अन्नदाता को उबारना होगा ।

(ख) दिशाहीन भारतीय युवा – पीढ़ी

- पढ़ लिखकर भी दिशाहीन
- अपराधियों की सूची में युवाओं की अधिकता
- बेरोजगारों की लंबी कतार
- रोज़गार परक और नैतिक शिक्षा ज़रूरी

(ग) कन्या – भ्रूण हत्या: एक सामाजिक अपराध

- शक्ति – रूपा भारतीय नारी
- सृष्टि के विकास में अहम्
- सामाजिक अपराध, घटनाओं में तीव्रता

- प्रकृति के ख़िलाफ

प्रश्न 18. **नवमी कक्षा में हिंदी विषय के चयन के कारण व आज के युग में हिंदी की उपयोगिता बताते हुए विदेश में रहने वाले मित्र को पत्र लिखिए ।**

अथवा

छात्रावास में रहकर पढ़ने वाली अपनी छोटी बहन को मन लगाकर पढ़ने और समय का सदुपयोग करने की सलाह दीजिए । **अंक 5**

हिन्दी पाठ्यक्रम 'ब'

कक्षा नवम

उत्तरमाला

प्रश्न 1. $1 \times 5 = 5$

(क) (*iv*) 1

(ख) (*ii*) 1

(ग) (*iv*) 1

(घ) (*ii*) 1

(ङ) (*iii*) 1

प्रश्न 2. $1 \times 5 = 5$

(क) (*iv*) 1

(ख) (*ii*) 1

(ग) (*ii*) 1

(घ) (*i*) 1

(ङ) (*iii*) 1

प्रश्न 3. $1 \times 5 = 5$

(क) (*iii*) 1

(ख) (*ii*) 1

(ग) (*ii*) 1

(घ) (*ii*) 1

	(ङ)	(*iv*)	1
प्रश्न 4.			1 × 5 = 5
	(क)	(*ii*)	1
	(ख)	(*iii*)	1
	(ग)	(*iii*)	1
	(घ)	(*iv*)	1
	(ङ)	(*iii*)	1

खंड 'ख'

प्रश्न 5.	(*i*)	घ	1
	(*ii*)	घ	1
	(*iii*)	घ	1
	(*iv*)	ख	1
प्रश्न 6.	(*i*)	ख	1
	(*ii*)	क	1
	(*iii*)	ग	1
	(*iv*)	ख	1
	(*v*)	ख	1
	(*vi*)	ख	1
	(*vii*)	ग	1
	(*viii*)	घ	1

प्रश्न 7.	(*i*)	ग	1
	(*ii*)	घ	1
	(*iii*)	ग	1
	(*iv*)	ख	1
प्रश्न 8.	(*i*)	ख	1
	(*ii*)	ग	1
प्रश्न 9.	(*i*)	ग	1
	(*ii*)	ख	1
प्रश्न 10.	(*i*)	ग	1
	(*ii*)	घ	1
	(*iii*)	ग	1
	(*iv*)	क	1
	(*v*)	ख	1

अथवा

	(*i*)	ग	1
	(*ii*)	घ	1
	(*iii*)	ख	1
	(*iv*)	ग	1
	(*v*)	घ	1

प्रश्न 11.	विद्यार्थी प्रश्नों के उत्तर अपने मतानुसार दें ।	2.5X2 = 5
प्रश्न 12.	इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।	1X5 = 5
प्रश्न 13.	इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।	(कोई एक) = 5
प्रश्न 14.	इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।	2+2+1=5
प्रश्न 15.	इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।	(कोई एक) = 3
प्रश्न 16.	इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।	2

खण्ड 'घ'

प्रश्न 17.	विद्यार्थी संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखें	5
प्रश्न 18.	प्रारूप (आरम्भ एवं अंत) – 1.5 अंक	
	विषय वस्तु – 2.5 अंक	
	भाषा – 1 अंक	